B.A. Final Year (CBCS Pattern) Semester-V

BA25B-4 - Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 4 | **GUG/S/25/13021**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तरं लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एव भो ति खो वस्सकारो ब्राह्मणो मगधमहामत्तो रञ्ञो मागधस्स अजातसत्तुस्स वेदेहिपुत्तस्स पटिस्सुत्वा भद्दानि भद्दानि यानानि योजापेत्वा भद्दं भद्दं यानं अभिरुहित्वा भद्देहि भद्देहि यानेहि राजगहम्हा निय्यासि येन गिज्झकूटो पब्बते, तेन पायासि। यावतिका यानस्स भूमि यानेन गन्त्वा याना पच्चोरोहित्वा पत्तिकोव येन भगवा तेनुपसङ्कमि। उपसङ्कमित्वा भगवता सध्दिं सम्मोदि। सम्मोदनीयं कथं साराणीयं वीतिसारेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो वस्सकारो ब्राह्मणो मगधमहामत्तो भगवन्तं एतदवोच-राजा भो गोतम। मागधो अजातसत्तु वेदेहिपुत्तो भोतो गोतमस्स पादे सिरसा वन्दति। अप्पाबाधं अप्पातङ्क लहुट्ठानं बलं फासु विहारं पुच्छति।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन नालंदा तदवसरि। तत्र सुदं भगवा नालन्दायं विहरति पावारिकम्बवने। अथ खो आयस्मा सारिपुत्तो येन भगवा, तेनुपसङ्कमि उपसङमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो आयस्मा सारिपुत्तो भगवन्तं एतदवोच- 'एवं पसन्नो अहं भन्ते। भगवति, न चाहु, न च भविस्सति, न चेत्तरहि विज्जति, अञ्ञो समणो वा ब्राह्मणो वा भगवता भिय्योभिञ्ञतरो यदिदं सम्बाधियन्ति। 'उलारा खो ते अयं सारिपुत्तं। आसभीवाचा भासिता एकंसो गहितो सीहनादो नदितो।

ब) महापरिनिब्बाण सुत्तातील 'राजगहे' स्पष्ट करा. **6**
महापरिनिब्बाण सुत्तं के 'राजगहे' स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

'सत्त अपरिहानिया धम्मा' स्पष्ट करा.
सत्त अपरिहानिया धम्मा' स्पष्ट कीजिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि- 'आयामानन्द। येन कोटिगामो, तेनुपसङ्कमिस्सामा' ति। 'एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पच्चस्सोसि। अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन कोटिगामो, तदवसरि। तत्र सुदं भगवा कोटिगामे विहरति। तत्र खो भगवा भिक्खूं आमन्तेसि- 'चतुन्नं भिक्खवे। अरिय सच्चानं अननुबोधो अप्पटिवेधा एवमिदं दीघमध्दानं सन्धावितं संसरितं ममञ्चेव तुम्हाकञ्चा कतमेसं चतुन्नं? दुक्खस्स भिक्खवे। अरियसच्चं अननुबोधा अप्पटिवेधा एवमिदं दीघमध्दानं सन्धावितं संसरितं ममञ्चेव तुम्हाकञ्च।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवतो वस्सुपगतस्स खरो आबाधो उप्पज्जि बाल्हा वेदना वत्तन्ति मारणन्तिका। तत्र सुदं भगवा सतो सम्पजानो अधिवासेसि अविहञ्ञमानो। अथ खो भगवतो एतदहोसि' न खो मे तं पटिरुपं योहं अनामन्तेत्वा उपट्ठाके अनपलोकेत्वा भिक्खुसंघं परिनिब्बासेय्यं। यन्नूनाहं इमं आबाधं विरियेन पटिपणामेत्वा जीवित सङ्खारं अधिट्ठाय विहरेय्यन्ति। अथ खो भगवा तं आबाधं विरियेन पटिपणामेत्वा जीवितसंङखारं अधिट्ठाय विहासि। अथ खो भगवतो सो आबाधो पटिप्पस्सम्भि। अथ खो भगवा गिलाना पुट्ठितो अचिरवुट्ठितो गेलञ्ञा विहारा निक्खम्म विहारपच्छायायं पञ्ञत्ते आसने निसीदि।

ब) 'अम्बपालिगणिकाय भोजन' लिहा. **6**
'अम्बपालिगणिकाय भोजन' लिखिए।

किंवा / अथवा

'वेलुवगा में वस्सावासो सविस्तर लिहा.
'वेलुवगा में वस्सावासो विस्तारपूर्वक लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) अप्पमादो अमतपदं पमादो मच्चुनो पदं।
अप्पमत्ता न मीयन्ति ये पमता यथा मता॥

2) एवं विसेसतो यत्वा अप्पमादम्हि पण्डिता।
अप्पमादे पमोदन्ति अरियानं गोचरे रता॥

3) ते झायिनो साततिका, निच्चं दळह परक्कमा।
फुसन्ति धीरा निब्बाणं योगक्खेमं अनुत्तरं॥

4) उट्ठानवतो सतिमतो सुचिकम्मस्स निसम्मकारिनो।
सञ्ञतस्स च धम्मजीविनो अप्पमत्तस्स यसोभिवड्ढति॥

किंवा / अथवा

1) मनोपुब्बङ्गमा धम्मा मनोसेट्ठा मनोमया।
मनसा चे पदुट्ठेन भासति वा करोति वा।
ततो नं दुक्खमन्वेति चक्कंव दहतो पदं॥

2) मनोपुब्बङ्गमा धम्मा मनोसेट्ठा मनोमया।
मनसा चे पसन्नेन भासति वा करोति वा।
ततो नं सुखमन्वेति छाया' व अनपायिणी॥

3) अक्कोच्छि मं अवधि मं अजिनि मं अहासि मे।
ये च तं उपनय्हन्ति वेरं तेसं न सम्मति॥

4) अक्कोच्छि मं अवधि मं अजिनि मं अहासि मे।
ये तं न उपनय्हन्ति वेरं तेसूपसम्माति।

ब) मोहसुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
मोहसुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

इतिवृत्तक ग्रंथाची माहिती लिहा.
इतिवृत्तक ग्रंथ की जानकारी लिखिए।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक।**

1) मन 2) ति

3) दातु

ब) उपसर्ग लिहा **कोणतेही चार.** **4**
उपसर्ग लिखिए **कोई भी चार।**

आ, परा, सु, परि

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) तरूणिया सध्दिं दारका गच्छन्ति।

2) बालिका रतिया कविता पठति।

3) बुध्दस्स धम्मपदं अहं पठामि।

4) सत्था सब्बे मनुस्सा धम्म देसेतुं।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) सर्व मुले पालि शिकतात.
सभी बच्चे पालि पढ़ते है।

2) कोणाचे नाव मिलिन्द नाही.
किसका नाम मिलिन्दं नहीं।

3) मी तिपिटक वाचणार.
मै तिपिटक पढूँगा।

4) मुलगा पालिभाषेत लिहितो.
लड़का पालि भाषा में लिखता है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) इतिवृत्तक 2) धम्मपद

3) दीघनिकाय 4) अरियो अट्ठाङिगको मग्गो

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) पाचनिकाय कोणत्या पिटकात येतात.
पाचनिकाय किस पिटक में आते है।

अ) सुत्तपिटक ब) विनयपिटक
क) चरियपिटक ड) अभिधम्मपिटक

2) दीघनिकायात किती सुत्ते आहेत.
दीघनिकाय में कितने सुत्तं है।

अ) 30 ब) 31
क) 32 ड) 33

3) महापरिनिब्बाण सुत्ताचा क्रमांक कितवा आहे.
महापरिनिब्बाण सुत्त का क्रमांक कितना है।

अ) 16 ब) 17
क) 18 ड) 19

4) आम्रपालि कुठे राहत होती.
आम्रपालि कहाँ रहती थी।

अ) मगध ब) नालंदा
क) वैशाली ड) राजगृह

5) सारिपुत्राने कुठे सीहगर्जना केली.
सारिपुत्र ने कहाँ सींहगर्जना की थी।

अ) वैशाली ब) नालंदा
क) कूसीनगर ड) भोगनगर

6) मोहसुत्तं कुठे येते.
मोहसुत्त कहाँ आता है।

अ) इतिवृत्तक ब) उदान
क) जातक ड) दीघनिकाय

7) धम्मपदात गाथा किती आहेत.
धम्मपद में गाथा कितनी है।

अ) 423 ब) 424
क) 425 ड) 426

8) पालित उपसर्ग किती आहेत.
पालि में उपसर्ग कितने है।

अ) 18 ब) 19
क) 20 ड) 21

9) पालित सर किती आहेत.
पालि में सर कितने है।

अ) 08 ब) 10
क) 12 ड) 14

10) पालित विभक्ती प्रत्यय किती आहेत.
पालि में विभक्ती प्रत्यय कितने है।

अ) 08 ब) 10
क) 12 ड) 14

****